पाठ- लाख़ की चूड़ियाँ

शब्दार्थ –

1. लाख - लाल रंग का एक पदार्थ जो गर्म करने पर पिघलता है
2. चाव - शौक
3. सलाख - लोहे की छड़ी
4. मुंगेरियाँ - लकड़ी का गोल गुटका या टुकड़ा
5. मचिया - बैठने की चौकी
6. मनिहार - चूड़ी बनाने वाला
7. पैतृक - पूर्वजों का
8. पेशा - व्यापार, कारोबार, धंधा
9. खपत - खर्च, समाप्त
10. वस्तु विनिमय - वस्तुओं का आदान प्रदान
11. लोहे लगना (मुहावरा) - बड़ी कठिनाई से
12. खीजना - चिढ़ना
13. कुढ़ - जलना, ईर्ष्या करना
14. मरद - आदमी
15. लगभग - तकरीबन, आकलन
16. बहुधा - बहुत बार
17. अवधि - समय
18. रुचि - शौक, चाव
19. विरले - बहुत कम, अनोखे
20. दालान/ सहन - आँगन
21. चित्र उतारना - तस्वीर खींचना
22. ढल चुका - क्षीण होना
23. व्यथा - दुख, परेशानी
24. हाथ काट देना (मुहावरा) - मजबूर कर देना
25. लहक कर - खुश होकर, प्रसन्न होकर
26. मुखातिब - संबोधन, सामने की ओर
27. सिंदूरी - लाल, आम की एक किस्म
28. अँजुली - हथेली
29. ठिठक गई - ठहर गई

egyanarchive

30.फबना - खिलना (कोई चीज अच्छी लगना)

31.हार कर भी हार न मानना (मुहावरा) - अपनी बात पर अड़े रहना

प्रश्न-उत्तर

प्रश्न 1.बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से क्यों जाता था और बदलू को 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' क्यों कहता था?

उत्तर - बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से इसलिए जाता था क्योंकि लेखक के मामा के गाँव में लाख की चूड़ियाँ बनाने वाला कारीगर बदलू रहता था। लेखक को बदलू काका से अत्यधिक लगाव था। वह लेखक को ढेर सारी लाख की रंग-बिरंगी गोलियाँ देता था इसलिए लेखक अपने मामा के गाँव चाव से जाता था।

गाँव के सभी लोग बदलू को 'बदलू काका' कहकर बुलाते थे इस कारण लेखक भी 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' कहता था।

प्रश्न 2. वस्तु-विनिमय क्या है? विनिमय की प्रचलित पद्धति क्या है?

उत्तर - 'वस्तु विनिमय' में एक वस्तु को दूसरी वस्तु देकर लिया जाता था। वस्तु के लिए पैसे नहीं लिए जाते थे। वस्तु के बदले वस्तु ली-दी जाती थी। किन्तु अब मुद्रा के चलन के कारण वर्तमान परिवेश में वस्तु का लेन-देन मुद्रा के द्वारा होता है। विनिमय की प्रचलित पद्धति पैसा है।

प्रश्न 3. 'मशीनी युग' ने कितने हाथ काट दिए हैं।' – इस पंक्ति में लेखक ने किस व्यथा की ओर संकेत किया है?

उत्तर - इसमें लेखक ने कारीगरों की व्यथा की ओर संकेत किया है कि मशीनों के आगमन के साथ कारीगरों के हाथ से काम-धंधा छिन गया। मानो उनके हाथ ही कट गए हों। उन कारीगरों का रोजगार इन पैतृक काम धन्धों से ही चलता था। उसके अलावा उन्होंने कभी कुछ नहीं सीखा था। वे पीढ़ी दर पीढ़ी अपनी इस कला को बढ़ाते चले आ रहे हैं और साथ में रोज़ी रोटी भी चला रहें हैं। परन्तु मशीनी युग ने जहाँ उनकी रोज़ी रोटी पर वार किया है। मशीनों ने लोगों को बेरोजगार बना दिया।

प्रश्न 4. बदलू के मन में ऐसी कौन-सी व्यथा थी, जो लेखक से छिपी न रह सकी?

उत्तर - बदलू लाख की चूड़ियाँ बेचा करता था परन्तु जैसे-जैसे काँच की चूडियों का प्रचलन बढ़ता गया उसका व्यवसाय ठप पड़ने लगा। अपने व्यवसाय की यह दुर्दशा बदलू को मन ही मन कचौटती थी। बदलू के मन में इस बात कि व्यथा थी कि मशीनी युग के प्रभावस्वरुप उस जैसे अनेक कारीगरों को बेरोजगारी और उपेक्षा का शिकार होना पड़ा है। अब लोग कारीगरी की कद्र न करके दिखावटी चमक पर अधिक ध्यान देते हैं। यह व्यथा लेखक से छिपी न रह सकी।

egyanarchive

प्रश्न 5. मशीनी युग से बदलू के जीवन में क्या बदलाव आया?

उत्तर - मशीनी युग से बदलू के जीवन में यह बदलाव आया की बदलू का व्यवसाय बंद हो गया। वह बेरोजगार हो गया। काम न करने से उसका शरीर भी ढल गया, उसके हाथों-माथे पर नसें उभर आई। अब वह बीमार रहने लगा।

प्रश्न 6. लाख की वस्तुओं का निर्माण भारत के किन-किन राज्यों में होता है? लाख से चूड़ियों के अतिरिक्त क्या-क्या चीज़ें बनती है? ज्ञात कीजिए।

उत्तर - लाख की वस्तुओं का निर्माण सर्वाधिक उत्तरप्रदेश में होता है। लाख से चूड़ियाँ, मूर्तियाँ, गोलियाँ तथा सजावट की वस्तुओं का निर्माण होता है।

भाषा की बात

प्रश्न 1. 'बदलू को किसी बात से चिढ़ थी तो काँच की चूडियों से' और बदलू स्वयं कहता है -" जो सुंदरता काँच की चूडियों में होती है लाख में कहाँ संभव है? "ये पंक्तियाँ बदलू की दो प्रकार की मनोदशाओं को सामने लाती हैं। दूसरी पंक्ति में उसके मन की पीड़ा है। उसमें व्यंग्य भी है। हारे हुए मन से, या दुखी मन से अथवा व्यंग्य में बोले गए वाक्यों के अर्थ सामान्य नहीं होते। कुछ व्यंग्य वाक्यों को ध्यानपूर्वक समझकर एकत्र कीजिए और उनके भीतरी अर्थ की व्याख्या करके लिखिए।

उत्तर -

व्यंग्य वाक्य – 'अब पहले जैसी औलाद कहाँ?'

व्याख्या – आजकल किसी भी बुजुर्ग के मुख से आमतौर पर यह सुनने मिलता है जिसमें उनके हृदय में छिपा दुःख और व्यंग्य देखने मिलता है। उनका मानना है कि आजकल की संतान बुजुर्गों को अधिक सम्मान नहीं देती।

प्रश्न 2. 'बदलू' कहानी की दृष्टि से पात्र है और भाषा की बात (व्याकरण) की दृष्टि से संज्ञा है। किसी भी व्यक्ति, स्थान, वस्तु, विचार अथवा भाव को संज्ञा कहते हैं। संज्ञा को तीन भेदों में बाँटा गया है –

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, जैसे – लला, रज्जो, आम, काँच, गाय इत्यादि

(ख) जातिवाचक संज्ञा, जैसे – चरित्र, स्वभाव, वजन, आकार आदि द्वारा जानी जाने वाली संज्ञा।

(ग) भाववाचक संज्ञा, जैसे – सुंदरता, नाजुक, प्रसन्नता इत्यादि जिसमें कोई व्यक्ति नहीं है और न आकार या वजन। परंतु उसका अनुभव होता है। पाठ से तीनों प्रकार की संज्ञाएँ चुनकर लिखिए।

उत्तर -

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा – बदलू, बेलन, मचिया।

(ख) जातिवाचक संज्ञा – आदमी, मकान, शहर।

(ग) भाववाचक संज्ञा – स्वभाव, रूचि, व्यथा।

egyanarchive

प्रश्न 3. गाँव की बोली में कई शब्दों के उच्चारण बदल जाते हैं। कहानी में बदलू वक्त (समय) को बखत, उम्र (वय/आयु) को उमर कहता है। इस तरह के अन्य शब्दों को खोजिए जिनके रूप में परिवर्तन हुआ हो, अर्थ में नहीं।

उत्तर -

इंसान – मनुष्य
रंज – दुख
गम – मायूसी
ज़िंदगी – जीवन
औलाद – संतान

egyanarchive